WEATHER REPORT

NORTH :
CENTRAL :
SOUTH :

NEWSLETTER

Saturday,19 October 2024,Volume - 120

GOLD : 77750
SILVER : 95470
CRUD : 5840

कपास बीजों पर बारिश का असर: उत्पादन और तेल निष्कर्षण प्रक्रिया में चुनौतियाँ

श्री सुधीर अग्रवाल, निदेशक, कुंटे ऑयल मिल्स प्राइवेट लिमिटेड,देवास,- मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश के देवास स्थित कुंटे ऑयल मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक श्री सुधीर अग्रवाल से बातचीत में कपास बीजों और तेल निष्कर्षण की मौजूदा स्थिति पर जानकारी प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि इस साल बारिश के कारण कपास की फसल में देरी हुई है और कपास के बीजों की गुणवत्ता पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ा है। बीजों में नमी बढ़ने से उनकी सूखने की प्रक्रिया धीमी हो गई है, जिससे कपास के तेल के लिए बीजों की कमी हो गई है और कीमतें भी बढ़ रही हैं।

बारिश और कृषि पद्धतियों का प्रभाव

श्री अग्रवाल के अनुसार, मध्य प्रदेश में हल्के गुणवत्ता के कपास बीज मिलते हैं, जबकि महाराष्ट्र और ओडिशा में अच्छी गुणवत्ता वाले बीज पाए जाते हैं। हालांकि, निमाड़ क्षेत्र में कम बारिश होने के कारण किसानों के पास कपास के अलावा कोई और विकल्प नहीं है। इस वजह से क्षेत्र में कॉटन सीड पर्याप्त मात्रा में मिल जाता है। इस वर्ष मांग अच्छी है, लेकिन अत्यधिक बारिश के कारण बीजों में नमी अधिक है, जिससे उन्हें सुखाने में परेशानी हो रही है।

तेल निष्कर्षण प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं

कपास के बीजों से तेल निकालने की प्रक्रिया में अब तक कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है। यह प्रक्रिया वर्षों से जारी है और इसमें अभी भी पारंपरिक तरीकों का ही इस्तेमाल हो रहा है। हालांकि, खराब बीजों की वजह से तेल निष्कर्षण में चुनौतियाँ जरूर बढ़ गई हैं, लेकिन मिल मालिकों को उम्मीद है कि मौसम में सुधार के साथ स्थिति बेहतर हो जाएगी।

निष्कर्ष

कपास बीजों की मौजूदा स्थिति पर बारिश का गहरा असर पड़ा है। इसके बावजूद, कपास का तेल निष्कर्षण जारी है, हालांकि बीजों की गुणवत्ता और नमी एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आई है।

कपास के बीज से तेल निष्कर्षण प्रक्रिया :

- **बीज तैयार करना:** बीजों को गंदगी, पत्थर, और पौधों के बचे हुए हिस्सों से साफ किया जाता है।
- **छिलका निकालना:** बीजों का बाहरी आवरण (छिलका) हटाया जाता है।
- **खाना पकाना और कंडीशनिंग:** बीजों को गर्म करके उनके सेल्स को तोड़ा जाता है ताकि तेल आसानी से निकाला जा सके।
- **यांत्रिक दबाव:** एक्सपेलर प्रेस से तेल निचोड़ा जाता है।
- **विलायक निष्कर्षण:** हेक्सेन जैसे विलायक का उपयोग करके तेल निकाला जाता है।
- **तेल शोधन:** तेल को डीगमिंग, न्यूट्रलाइजेशन, ब्लीचिंग और दुर्गंध हटाने की प्रक्रियाओं से शुद्ध किया जाता है।
- **अंतिम प्रसंस्करण और पैकेजिंग:** तेल को फ़िल्टर करके गुणवत्ता के लिए जांचा जाता है और फिर पैक किया जाता है।

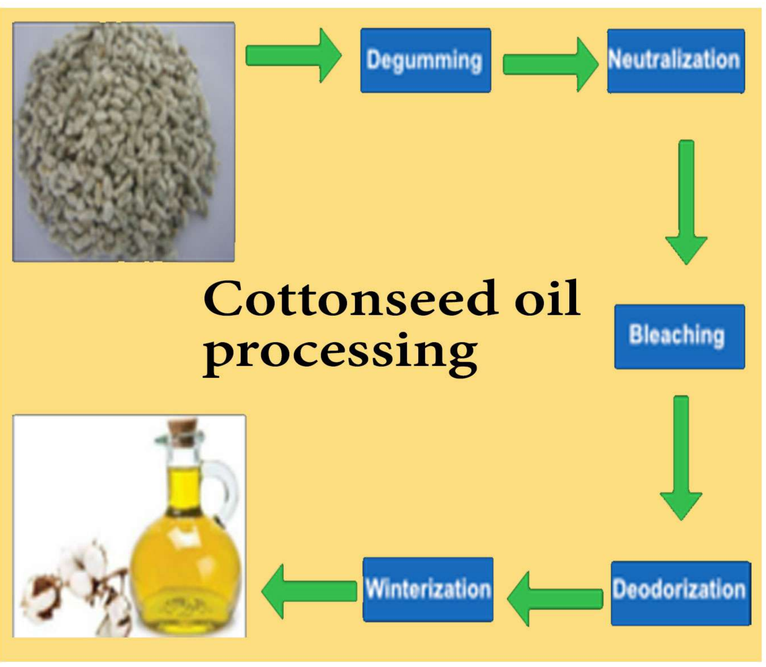

कपास बाजार की साप्ताहिक गतिविधि पर एक नजर

SMART INFO SERVICES
CALL : 91116 77771
WEEKLY CHART 19.10.2024

ICE COTTON			
MONTH	11.10.24	18.10.24	WEEKLY CHANGE
DEC	72.21	70.99	-1.22
MAR'25	74.33	73.09	-1.24
MAY'25	75.71	74.53	-1.18
MCX (COTTON)			
NOV	57000	56990	-10
JAN	57700	58000	300
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1582.5	1574	-9
NCDEX (COCUD KHAL)			
DEC	2959	3014	55
JAN	2916	2942	26
FEB	2919	2944	25
SMART INFO SERVICE		CALL : 91116 77771	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	84.06	84.07	0.01
PAK (Pakistani Rupee)	277.61	277.792	0.182
CNY (Chinese yuan)	7.06663	7.10157	0.03494
BRAZIL (Real)	5.61284	5.69279	0.07995
AUSTRALIAN Dollar	1.47144	1.49055	0.01911
MALAYSIAN RINGGITS	4.28798	4.30400	0.01602
COTLOOK "A" INDEX	84.50	82.35	-2.15
BRAZIL COTTON INDEX	70.97	68.7	-2.27
USDA SPOT RATE	66.70	65.17	-1.53
MCX SPOT RATE	56400	56300	-100
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17700	17800	100
GOLD ($)	2676.30	2730.00	53.7
SILVER ($)	31.755	33.234	1.479
CRUDE ($)	75.56	69.22	-6.34

इस सप्ताह इंटरनेशनल मार्केट में मिला-जुला रुख देखने को मिला।

जहां दिसंबर में 1.22 सेंट, मार्च में 1.24 सेंट, और मई में 1.18 सेंट की गिरावट दर्ज हुई।

भारतीय बाजार में MCX पर कॉटन के दामों में भी नवंबर माह में 10 रुपये की गिरावट देखी गई, वही नवंबर माह में 300 रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

NCDEX पर कपास के भाव 9 रुपये प्रति 20 किलो तक घटे, जबकि खल के भाव में दिसंबर में 55 रुपये, जनवरी में 26 रुपये, और फरवरी में 25 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

दूसरे देशों के कॉटन मार्केट की बात करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स में गिरावट हुई, USDA स्पॉट रेट में 1.53 सेंट की गिरावट दर्ज हुई, जबकि MCX स्पॉट रेट में 100 रुपये प्रति कैंडी की कमी देखने को मिली।

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91116 77771

DATE: 19.10.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	14.10.2024		19.10.2024		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,830	5,840	5,790	5,800	-40
HARYANA	27.5/28	5,800	5,800	5,780	5,780	-20
UPPER RAJASTHAN	28	5,820	5,830	5,780	5,790	-40
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	55,500	56,000	55,700	56,300	300
MADHYA PRADESH	29	53,300	53,500	53,000	53,300	-200
MAHARASHTRA	29+ vid.	57,000	57,500	57,000	57,500	0
SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	58,100	58,200	57,700	57,800	-400
KARNATAKA	29.5+	54,200	54,700	54,500	54,800	100
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	56,000	56,500	56,000	56,500	0
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	53,500	54,500	53,800	55,000	500
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						

इस सप्ताह, इंटरनेशनल मार्केट मे गिरावट वाला माहौल रहा।

इस सप्ताह रुई बाजार में मिला-जुला रुख देखने को मिला।

नॉर्थ ज़ोन के पंजाब में 40 रुपये, हरियाणा में 20 रुपये, और अपर राजस्थान में 40 रुपये प्रति मन तक की गिरावट दर्ज की गई।

वहीं, सेंट्रल ज़ोन के गुजरात में 300 रुपये प्रति कैंडी की बढ़ोतरी दर्ज की गई जबकि मध्यप्रदेश में 200 रुपये प्रति कैंडी की गिरावट देखी गई। महाराष्ट्र में स्थिरता रही ।

साउथ ज़ोन के कर्नाटक, तेलंगाना में 100 से 500 रुपये प्रति कैंडी की बढ़ोतरी हुई, ओडिशा में 400 रुपये प्रति कैंडी की कमी आई, आँध्रप्रदेश में स्थिरता रही ।

बढ़ाएं अपना व्यापार

इंडस्ट्री से जुड़े 50 हज़ार से ज़्यादा लोगों तक पहुचाएं अपने व्यापार की हर जानकारी हमारे माध्यम से पाएं अपने व्यापार को बढ़ाने का

जानकारी के लिये संपर्क करें :-
+91-9111677775

नई कपड़ा नीति से सूरत के मानव निर्मित फाइबर क्षेत्र को महत्वपूर्ण बढ़ावा

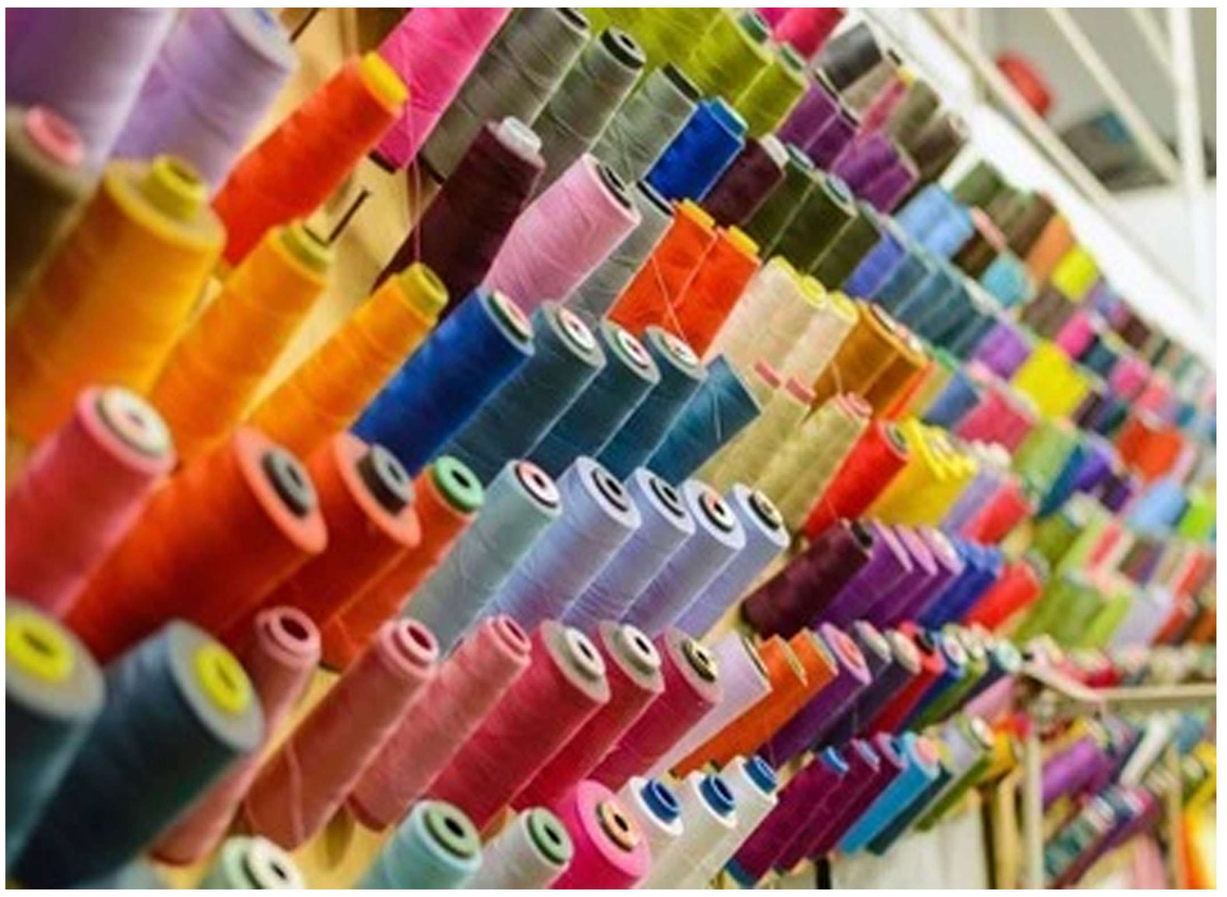

सूरत: मंगलवार को नई टेक्सटाइल नीति की घोषणा के बाद दक्षिण गुजरात में मानव निर्मित फाइबर (एमएमएफ) उद्योग को काफी बढ़ावा मिलने वाला है।

लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए सरकार ने उद्योग को दिवाली का तोहफा दिया है। नई नीति के तहत, श्रेणी 3 की टेक्सटाइल इकाइयां, विशेष रूप से गारमेंटिंग और तकनीकी टेक्सटाइल से जुड़ी इकाइयां ₹50 करोड़ तक की पूंजी सब्सिडी के लिए पात्र होंगी।

इन क्षेत्रों में बुनाई, बुनाई और प्रसंस्करण इकाइयों को ₹40 करोड़ तक की सब्सिडी मिलेगी।

दक्षिणी गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसजीसीसीआई) के अध्यक्ष विजय मेवावाला ने कहा, "इसी तरह, बुनाई, बुनाई, प्रसंस्करण और कताई में लगी श्रेणी 1 की इकाइयां ₹50 करोड़ तक की पूंजी सब्सिडी के लिए पात्र होंगी, जबकि गारमेंटिंग और तकनीकी टेक्सटाइल इकाइयों को ₹100 करोड़ तक की पूंजी सब्सिडी मिल सकती है।"

मेवावाला ने आगे बताया कि पीएम मित्र पार्क को श्रेणी 1 क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जिससे वहां संचालित कपड़ा इकाइयों को काफी लाभ मिलेगा। पहली बार, फाइबर से धागा बनाने वाली कताई इकाइयों को नई कपड़ा नीति 2024 में शामिल किया गया है।

उद्योग ने पूंजी सब्सिडी की घोषणा का उत्साहपूर्वक स्वागत किया है। फेडरेशन ऑफ गुजरात वीवर वेलफेयर एसोसिएशन (FOGW-WA) के अध्यक्ष अशोक जीरावाला ने कहा, "यह पहली बार है जब पूंजी सब्सिडी शुरू की गई है, और बिजली सब्सिडी पूरे क्षेत्र को लाभान्वित करेगी, नए निवेश को प्रोत्साहित करेगी और रोजगार पैदा करेगी।"

पांडेसरा वीवर्स को-ऑपरेटिव सोसाइटी के अध्यक्ष आशीष गुजराती ने ब्याज सब्सिडी के महत्व पर प्रकाश डाला: "पूंजी सब्सिडी के अलावा, ब्याज सब्सिडी क्षेत्र में उद्योग के विकास को बनाए रखते हुए जबरदस्त लाभ प्रदान करेगी।"

सचिन इंडस्ट्रियल सोसाइटी के सचिव मयूर गोलवाला ने नई नीति को "गेम-चेंजर" बताया और कहा, "राज्य के इतिहास में पहली बार कई उपाय लागू किए जा रहे हैं। इससे कपड़ा इकाइयों का पड़ोसी राज्यों में पलायन रोकने में मदद मिलेगी, हालांकि नीति का प्रभावी क्रियान्वयन महत्वपूर्ण होगा।"

NEWS OF THE WEEK

- **बांग्लादेश के वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कपास की खपत का पूर्वानुमान यूएसडीए द्वारा 7.8 मिलियन गांठ तक अपडेट किया गया है।**

अमेरिकी कृषि विभाग (यूएसडीए) ने 2024-25 विपणन वर्ष (एमवाई) में बांग्लादेश के लिए अपने कपास उपभोग पूर्वानुमान को संशोधित कर 7.8 मिलियन गांठ कर दिया है, जो पहले के अनुमानों से मामूली वृद्धि दर्शाता है। इस कुल में से, 7.7 मिलियन गांठों का आयात किए जाने की उम्मीद है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 2 प्रतिशत अधिक है।

- **तेलंगाना के मेडक में भारी बारिश ने कपास की फसल को तबाह कर दिया है।**

पूर्व मेडक जिले में हाल ही में हुई बारिश ने कपास किसानों को भारी नुकसान पहुंचाया है, जिससे फसल को व्यापक नुकसान, रंग में गिरावट और कीमतों में उतार-चढ़ाव हुआ है। किसान चिंतित हैं कि क्षतिग्रस्त कपास की कीमतें कम होंगी, जिससे उन्हें भारी वित्तीय नुकसान होगा।

- **सितंबर में मजबूत वृद्धि को देखते हुए कपड़ा निर्यातक आशावादी है।**

कोलकाता: भारत के भू-राजनीतिक और आर्थिक माहौल में सुधार के कारण कपड़ा और परिधान निर्यातक वृद्धि को लेकर आशावादी हैं। उद्योग के खिलाड़ियों को उम्मीद है कि यह सकारात्मक गति जारी रहेगी, जो इस क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव को चिह्नित करेगी।

देश भर के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में इस सप्ताह कपास की आवक

SMART INFO SERVICES

ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL

CALL : 91116 77771

STATE	14.10.24	15.10.24	16.10.24	17.10.24	18.10.24	19.10.24
PUNJAB	500	500	500	500	500	500
HARYANA	4,000	5,000	5,000	5,500	4,200	4,500
UPPER RAJASTHAN	500	450	500	500	500	1,500
LOWER RAJASTHAN	1,400	2,100	2,400	2,700	2,700	2,500
NORTH ZONE	6,400	8,050	8,400	9,200	7,900	9,000
GUJARAT	13,000	15,000	15,000	15,000	18,000	18,000
MADHYA PRADESH	5,000	5,000	6,000	4,000	11,000	9,000
MAHARASHTRA	3,500	3,500	4,000	5,000	4,000	4,000
CENTRAL ZONE	21,500	23,500	25,000	24,000	33,000	31,000
KARNATAKA	15,000	15,000	14,000	10,000	10,000	12,000
ANDHRA PRADESH	3,000	6,000	7,000	6,000	8,000	9,000
TELANGANA	2,000	6,000	6,000	5,000	8,000	9,000
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	20,000	27,000	27,000	21,000	26,000	30,000
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	47,900	58,550	60,400	54,200	66,900	70,000
ARRIVAL IN 170 Kg.						

WEATHER REPORT

NORTH :
CENTRAL :
SOUTH :

NEWSLETTER

Saturday ,19 October 2024 ,Volume - 120

GOLD : 77750
SILVER : 95470
CRUD : 5840

News | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

Impact of rain on cotton seeds: Challenges in production and oil extraction process

Mr. Sudhir Agarwal, Director, Kunte Oil Mills Pvt. Ltd., Dewas, Madhya Pradesh

In a conversation with Mr. Sudhir Agarwal, Director, Kunte Oil Mills Pvt. Ltd., Dewas, Madhya Pradesh, we got information on the current situation of cotton seeds and oil extraction. He said that this year the cotton crop has been delayed due to rain and it has also had a negative impact on the quality of cotton seeds. Due to increased moisture in the seeds, their drying process has slowed down, which has led to a shortage of seeds for cotton oil and is also increasing prices.

Impact of rain and agricultural practices

According to Mr. Agarwal, low quality cotton seeds are found in Madhya Pradesh, while good quality seeds are found in Maharashtra and Odisha. However, due to less rainfall in the Nimar region, farmers have no other option except cotton. Due to this, cotton seed is available in sufficient quantity in the region. This year the demand is good, but due to excessive rain, the moisture in the seeds is high, which is causing problems in drying them.

No change in oil extraction process

There has been no major change in the process of extracting oil from cotton seeds. This process has been going on for years and traditional methods are still being used. Although, challenges in oil extraction have definitely increased due to damaged seeds, but mill owners are hopeful that the situation will improve with the improvement in the weather.

Conclusion

The rains have had a profound impact on the current condition of cotton seeds. Despite this, cotton oil extraction continues, although the quality and moisture of the seeds have emerged as a major challenge.

Cotton seed oil extraction process:

- **Seed preparation:** The seeds are cleaned of dirt, stones, and plant debris.
- **Dehulling:** The outer cover (husk) of the seeds is removed.
- **Cooking and conditioning:** The seeds are heated to break their cells so that the oil can be easily extracted.
- **Mechanical pressing:** The oil is squeezed out using an expeller press.
- **Solvent extraction:** Oil is extracted using a solvent such as hexane.
- **Oil refining:** Oil is purified through processes such as degumming, neutralization, bleaching and deodorization.
- **Final processing and packaging:** Oil is filtered and checked for quality and then packaged.

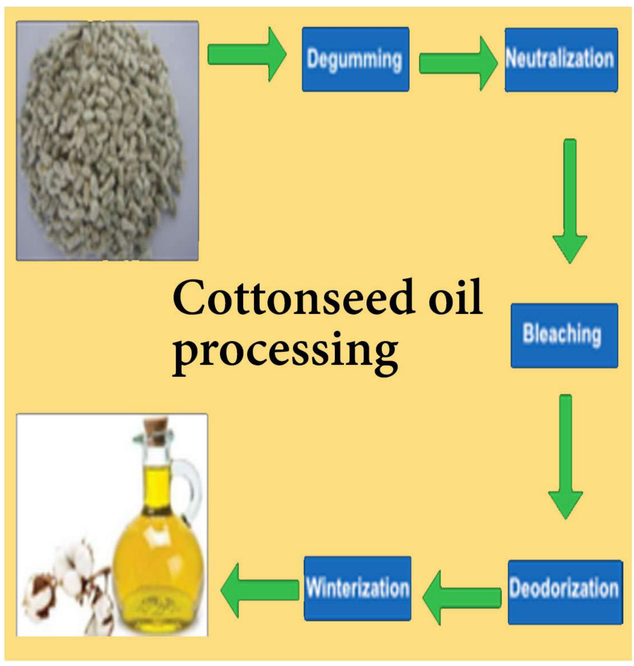

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775

A look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771 WEEKLY CHART 19.10.2024			
ICE COTTON			
MONTH	11.10.24	18.10.24	WEEKLY CHANGE
DEC	72.21	70.99	-1.22
MAR'25	74.33	73.09	-1.24
MAY'25	75.71	74.53	-1.18
MCX (COTTON)			
NOV	57000	56990	-10
JAN	57700	58000	300
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1582.5	1574	-9
NCDEX (COCUD KHAL)			
DEC	2959	3014	55
JAN	2916	2942	26
FEB	2919	2944	25
SMART INFO SERVICE		**CALL : 91116 77771**	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	84.06	84.07	0.01
PAK (Pakistani Rupee)	277.61	277.792	0.182
CNY (Chinese yuan)	7.06663	7.10157	0.03494
BRAZIL (Real)	5.61284	5.69279	0.07995
AUSTRALIAN Dollar	1.47144	1.49055	0.01911
MALAYSIAN RINGGITS	4.28798	4.30400	0.01602
COTLOOK "A" INDEX	84.50	82.35	-2.15
BRAZIL COTTON INDEX	70.97	68.7	-2.27
USDA SPOT RATE	66.70	65.17	-1.53
MCX SPOT RATE	56400	56300	-100
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17700	17800	100
GOLD ($)	2676.30	2730.00	53.7
SILVER ($)	31.755	33.234	1.479
CRUDE ($)	75.56	69.22	-6.34

This week, a mixed trend was seen in the international market.

Where there was a decline of 1.22 cents in December, 1.24 cents in March, and 1.18 cents in May.

In the Indian market, cotton prices on MCX also saw a decline of Rs 10 in the month of November, while an increase of Rs 300 was recorded in the month of November.

The price of cotton on NCDEX fell by Rs 9 per 20 kg, while the price of cake increased by Rs 55 in December, Rs 26 in January, and Rs 25 per quintal in February.

Talking about the cotton market of other countries, there was a decline in the Cotlook "A" index, USDA spot rate fell by 1.53 cents, while MCX spot rate saw a decrease of Rs 100 per candy.

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91116 77771

DATE: 19.10.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	14.10.2024		19.10.2024		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,830	5,840	5,790	5,800	-40
HARYANA	27.5/28	5,800	5,800	5,780	5,780	-20
UPPER RAJASTHAN	28	5,820	5,830	5,780	5,790	-40
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	55,500	56,000	55,700	56,300	300
MADHYA PRADESH	29	53,300	53,500	53,000	53,300	-200
MAHARASHTRA	29+ vid.	57,000	57,500	57,000	57,500	0
SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	58,100	58,200	57,700	57,800	-400
KARNATAKA	29.5+	54,200	54,700	54,500	54,800	100
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	56,000	56,500	56,000	56,500	0
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	53,500	54,500	53,800	55,000	500
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						

This week, the international market witnessed a mixed trend.

In North Zone, Punjab witnessed a decline of Rs. 40, Haryana Rs. 20 and Upper Rajasthan Rs. 40 per maund.

While in Central Zone, Gujarat witnessed an increase of Rs. 300 per candy whereas Madhya Pradesh witnessed a decline of Rs. 200 per candy. Maharashtra remained stable.

In South Zone, Karnataka and Telangana witnessed an increase of Rs. 100 to Rs. 500 per candy, Odisha witnessed a decline of Rs. 400 per candy and Andhra Pradesh remained stable.

Grow your business now

Get every information about your business to more than 50 thousand people related to the industry. Get a golden opportunity to grow your business through us.

For more information, contact-
+91-9111677775

New textile policy to give significant boost to Surat's man-made fibre sector

Surat: The man-made fibre (MMF) industry in south Gujarat is set to get a major boost after the announcement of the new textile policy on Tuesday.

Meeting a long-standing demand, the government has given a Diwali gift to the industry. Under the new policy, category 3 textile units, especially those engaged in garmenting and technical textiles, will be eligible for capital subsidy of up to ₹50 crore.

Knitting, knitting and processing units in these sectors will get subsidy of up to ₹40 crore.

"Similarly, category 1 units engaged in knitting, weaving, processing and spinning will be eligible for capital subsidy of up to ₹50 crore, while garmenting and technical textile units can get capital subsidy of up to ₹100 crore," said Vijay Mevawala, president, South Gujarat Chamber of Commerce and Industry (SGCCI).

Mevawala further pointed out that PM Mitra Park has been classified as a Category 1 area, which will greatly benefit the textile units operating there. For the first time, spinning units that make yarn from fibre have been included in the new Textile Policy 2024.

The industry has enthusiastically welcomed the announcement of capital subsidy. Ashok Jirawala, president of the Federation of Gujarat Weavers Welfare Association (FOGWWA), said, "This is the first time capital subsidy has been introduced, and power subsidy will benefit the entire sector, encourage new investments and generate employment."

Ashish Gujarati, president of Pandesara Weavers Co-operative Society, highlighted the importance of interest subsidy: "Apart from capital subsidy, interest subsidy will provide tremendous benefits while sustaining the growth of the industry in the region."

Mayur Golwala, secretary of Sachin Industrial Society, described the new policy as a "game-changer" and said, "Several measures are being implemented for the first time in the history of the state. This will help prevent the migration of textile units to neighbouring states, although effective implementation of the policy will be important."

NEWS OF THE WEEK

Bangladesh's cotton consumption forecast for fiscal year 2024-25 has been updated to 7.8 million bales by USDA.

The US Department of Agriculture (USDA) has revised its cotton consumption forecast for Bangladesh in the 2024-25 marketing year (MY) to 7.8 million bales, showing a marginal increase from earlier estimates. Of this total, 7.7 million bales are expected to be imported, up 2 per cent from the previous year.

Heavy rains have devastated cotton crop in Telangana's Medak.

The recent rains in the eastern Medak district have caused heavy losses to cotton farmers, leading to extensive crop damage, colour deterioration and price fluctuations. Farmers are worried that the damaged cotton will lower prices, causing them huge financial losses.

Textile exporters optimistic after strong growth in September

KOLKATA: Textile and apparel exporters are optimistic about growth due to India's improving geopolitical and economic environment. Industry players expect this positive momentum to continue, marking a turning point for the sector.

Cotton arrivals this week in major cotton producing states across the

SMART INFO SERVICES

ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL

CALL : 91116 77771

STATE	14.10.24	15.10.24	16.10.24	17.10.24	18.10.24	19.10.24
PUNJAB	500	500	500	500	500	500
HARYANA	4,000	5,000	5,000	5,500	4,200	4,500
UPPER RAJASTHAN	500	450	500	500	500	1,500
LOWER RAJASTHAN	1,400	2,100	2,400	2,700	2,700	2,500
NORTH ZONE	6,400	8,050	8,400	9,200	7,900	9,000
GUJARAT	13,000	15,000	15,000	15,000	18,000	18,000
MADHYA PRADESH	5,000	5,000	6,000	4,000	11,000	9,000
MAHARASHTRA	3,500	3,500	4,000	5,000	4,000	4,000
CENTRAL ZONE	21,500	23,500	25,000	24,000	33,000	31,000
KARNATAKA	15,000	15,000	14,000	10,000	10,000	12,000
ANDHRA PRADESH	3,000	6,000	7,000	6,000	8,000	9,000
TELANGANA	2,000	6,000	6,000	5,000	8,000	9,000
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	20,000	27,000	27,000	21,000	26,000	30,000
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	47,900	58,550	60,400	54,200	66,900	70,000
ARRIVAL IN 170 Kg.						